

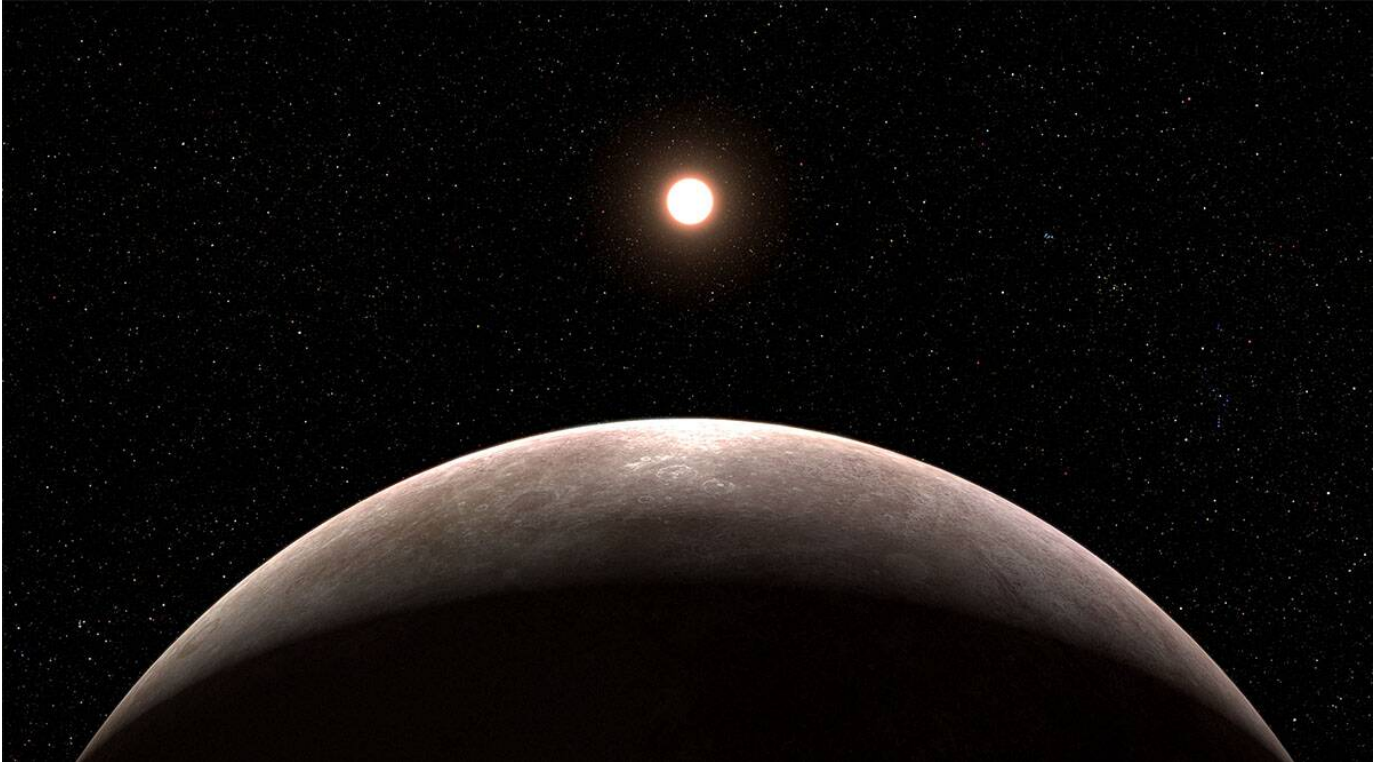
Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 07 फरवरी, 2023

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2023

भारतीय म्यूज़िक कंपोज़र रिकी केज (Ricky Kej) ने तीसरी बार ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। रिकी को उनके एल्बम 'डिवाइन टाइड्स' के लिये इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस अवॉर्ड शो में कुछ नए अवॉर्ड जैसे कांसॉन्ग राइटर ऑफ द ईयर, बेस्ट स्कोर साउंडट्रैक फॉर वीडियो गेम्स समेत कई कैटेगरी शामिल की गई हैं। ग्रैमी अवॉर्ड्स अमेरिका की रिकॉर्डिंग अकादमी द्वारा संगीत उद्योग के कार्यों को पहचान दिलाने के लिये प्रदान किये जाते हैं। भारतीय संगीतकार रिकी केज ने तीसरी बार ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। रिकी केज के एल्बम को सर्वश्रेष्ठ इमर्सिव ऑडियो एल्बम कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया। संगीतकार ने इस अवार्ड को मशहूर ब्रिटिश रॉक बैंड 'द पुलिस' के ड्रमर स्टीवर्ट कोपलैंड के साथ शेयर किया है। सॉन्ग ऑफ द ईयर अवॉर्ड बोनी रायट को 'जस्ट लाइक दैट' के लिये ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इस कैटेगरी में टेलर स्वफिट को हराया।

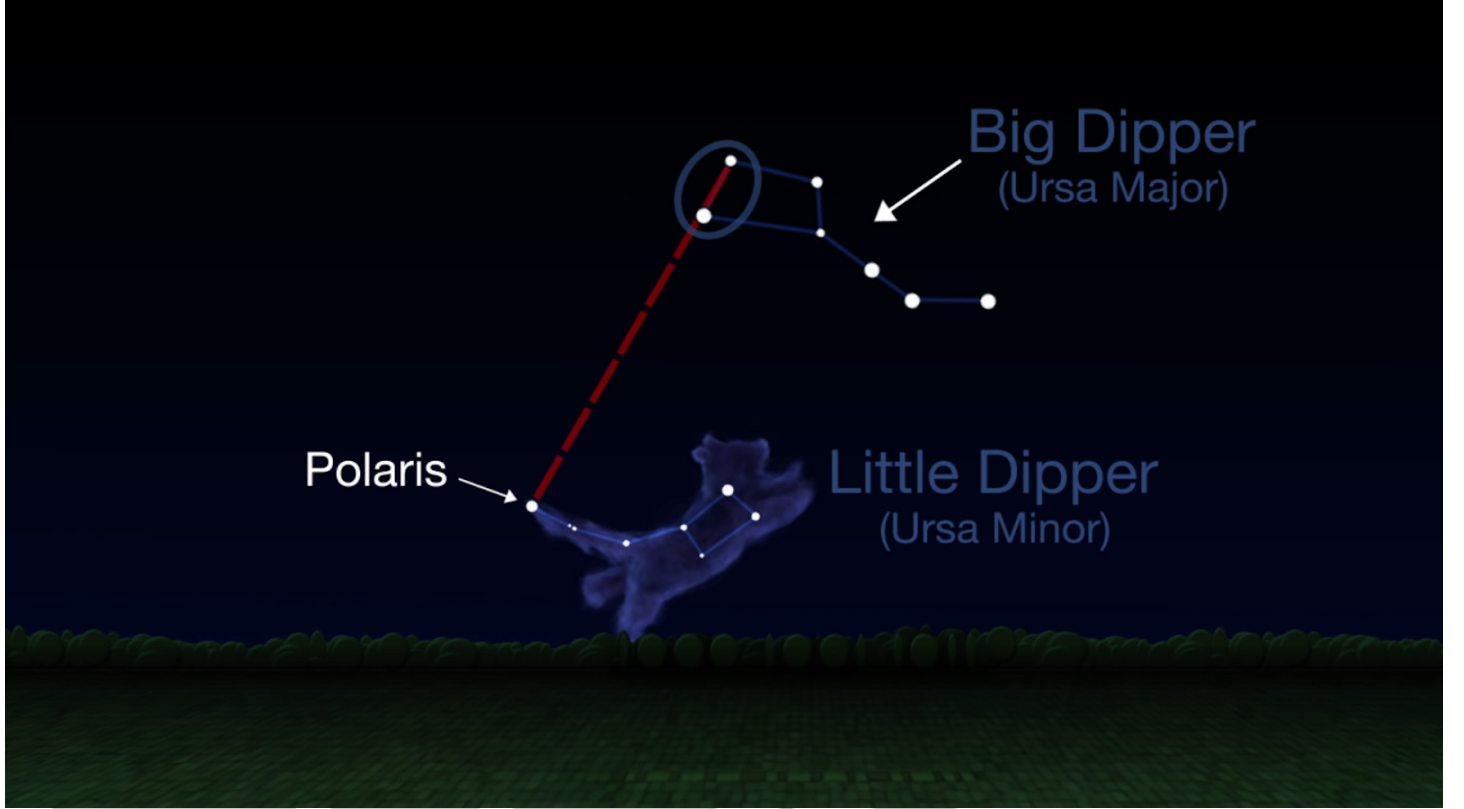
वुल्फ 1069 बी (Wolf 1069b)

हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक पृथ्वी जैसे दिखने वाले ग्रह का पता लगाया है, जो मनुष्यों के रहने योग्य हो सकता है। पृथ्वी से सरिफ 31 प्रकाश वर्ष की दूरी पर लाल बौने तारे की परकिस्मा करने वाला एक एक्सोप्लैनेट है, जिसे वुल्फ 1069 बी के रूप में जाना जाता है, दुनिया भर के 50 खगोलविदों के एक समूह ने इस नए एक्सोप्लैनेट के अस्तित्व की पुष्टि की है कि वुल्फ 1069 बी संभावित रूप से एक चट्टानी दुनिया है, जो पृथ्वी के द्रव्यमान से लगभग 1.26 गुना ज़्यादा और आकार में 1.08 गुना बड़ा है। यह हमारी आकाशगंगा मिल्की-वे के उत्तर की ओर स्थिति है जो पृथ्वी की तुलना में सूर्य के निकट पृथ्वी जैसा छटा ग्रह है। वुल्फ 1069 बी ज्वारीय रूप से अपने मूल तारे से जुड़ा हुआ है, जिसका अर्थ है कि एक हसिसा हमेशा दिन के उजाले में तथा वपिरीत हसिसा हमेशा अँधेरे में रहता है। यह पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी के 15वें हसिसे के बराबर दूरी पर 15.6 दिनों में तारे की परकिस्मा करता है। अध्ययन के अनुसार, सूर्य से इसकी निकटता के बावजूद वुल्फ 1069बी पृथ्वी को सूर्य से मलिन वाली ऊर्जा का लगभग 65% हसिसा ही प्राप्त करता है। साथ ही इसकी सतह ठंडी होती है, जिससे यह नारंगी रंग का दिखाई देता है। यह हमारी पृथ्वी की तरह बहुत कम विकिरण उत्सर्जित करता है।



ध्रुव तारा

पोलारसि, जिसे **उत्तर तारा/ध्रुव तारा** के रूप में जाना जाता है, बहुत चमकीला तारा है (सूर्य से ~2,500 गुना अधिक चमकदार), जो **उर्सा माइनर तारामंडल** (पृथ्वी से ~323 प्रकाश वर्ष दूर) का हिस्सा है। पोलारसि **उत्तरी खगोलीय ध्रुव से 1° से भी कम दूरी** पर है, लगभग पृथ्वी के घूर्णन अक्ष के साथ सीधी रेखा में है, इसलिये यह **उत्तरी आकाश में स्थिर दिखाई देता** है तथा अन्य सभी तारे इसके चारों ओर घूर्णन करते हुए प्रतीत होते हैं। इसकी स्थिति एवं चमक ने प्राचीन काल से ही मनुष्यों को नेविगेशन (दिशा सूचक) हेतु इसका उपयोग करने में सहायता की है। कर्षतिजि के ऊपर तारे की ऊँचाई पर्यवेक्षकों के अनुमानित अक्षांश को दर्शाती है। हालाँकि **भूमध्य रेखा को दक्षिण में पार करने** पर ध्रुव तारा कर्षतिजि पर खो जाता है **जिस कारण इसका उपयोगी नेविगेशन में उपयोग करना असंभव हो जाता है**। ऐसा लगता है कि **पोलारसि का विश्लेषण पहली बार रोमन गणितज्ञ/खगोलविद् टॉलमी (165 - 85 ईसा पूर्व) द्वारा किया गया था। नासा के अनुसार, "ध्रुव तारा" "एक उपाधि है जो समय के साथ अलग-अलग सितारों को दी जाती है"; पृथ्वी की घूर्णन धुरी वचिलित होने के कारण आकाशीय ध्रुव "युगों में धीमी गति से घूर्णन करता हुआ अलग-अलग तारों को पार करता है"। लगभग 14,000 वर्ष पहले आकाशीय ध्रुव चमकीले तारे वेगा की ओर संकेत करते थे और "यह लगभग 12,000 वर्षों में फिर से वेगा की ओर संकेत करेगा"।**



नौसेना हल्के लड़ाकू विमान की INS वकिरांत पर लैंडिंग

भारत के स्वदेशी **हल्के लड़ाकू विमान (LCA)** के नौसैनिक संस्करण ने **INS वकिरांत पर अपनी पहली लैंडिंग की**, जो नौसेना की आत्मनिर्भरता योजनाओं की दिशा में एक मील का पत्थर है। इसके बाद दो इंजन वाले मगि-29K फाइटर जेट (रूसी मूल) ने लैंडिंग की और उड़ान भी भरी। INS वकिरांत, सितंबर 2022 में कमीशन किया गया भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है, जो वर्तमान में संचालन की प्रक्रिया में है। जनवरी 2020 में **DRDO** ने INS वकिरमादतिय पर नौसेना LCA की सफल लैंडिंग का प्रदर्शन किया गया, जिसकी तरज पर **DRDO** INS वकिरांत के लिये **ट्वनि इंजन डेक-बेस्ड फाइटर (TEDBF)** विकसित करने की प्रक्रिया में है।

INS VIKRANT REBORN

India's First Indigenously-Built Aircraft Carrier

DID YOU KNOW?

- Flight deck is the size of two football grounds
- 8 power generators enough to light up Kochi city

VITAL STATS

₹20,000 Crore
Cost

45,000 tonnes
Weight

262 metres
Length

62 metres
Width

28 knots
Top Speed

2,300
Compartments

1,700
Crew Strength

AIR POWER TO BE DEPLOYED



MiG-29K
Fighter Jets
(Image Source: US Navy)



Kamov-31
Helicopters
(Image Source: Indian Navy)



MH-60R Multi-role
Helicopters
(Image Source: US Navy)

TOP FEATURES

- First aircraft carrier to be constructed in India
- Largest warship to be built in India
- Has capacity to operate 30 aircraft
- 15 decks, multi-speciality hospital, pool
- Specialised cabins for women officers

और पढ़ें... [INS विक्रान्त](#)

दक्षिण भारत की पहली औद्योगिक गलियारा परियोजना

भारत के प्रधानमंत्री ने [चेन्नई-बंगलुरु औद्योगिक गलियारा \(CBIC\)](#) के अंतर्गत 8500 एकड़ भूमि में फैले तुमकुरु में कार्यान्वयन होने वाली दक्षिण भारत की पहली औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी। तुमकुरु औद्योगिक टाउनशिप की योजना पीएम-गतशक्ति के सिद्धांतों के अनुरूप बनाई गई है ताकि आर्थिक क्षेत्र के लिये अंतिम मील मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। भारत सरकार (NICD और कार्यान्वयन ट्रस्ट के माध्यम से) तथा कर्नाटक सरकार प्रोजेक्ट स्पेशल परपज व्हीकल (SPV) के माध्यम से तुमकुरु ज़िले के वसंतनरसापुरा में 3 चरणों में औद्योगिक टाउनशिप का विकास कर रही है। [राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास \(NICD\) कार्यक्रम](#) के तहत 11 औद्योगिक गलियारों के अंतर्गत 32 ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों को विश्व स्तरीय प्लग-एन-प्ले बुनियादी ढाँचे के साथ विकसित किया जा रहा है।

11 Industrial Corridors:

- Delhi-Mumbai Industrial Corridor (DMIC)
- Amritsar-Kolkata Industrial Corridor (AKIC)
- Chennai-Bengaluru Industrial Corridor (CBIC)
- Vizag-Chennai Industrial Corridor (VCIC)
- East Coast Economic Corridor (ECEC)
- Hyderabad-Nagpur Industrial Corridor (HNIC)
- Hyderabad-Warangal Industrial Corridor (HWIC)
- Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor (HBIC)
- Bengaluru Mumbai Industrial Corridor (BMIC)
- Extension of CBIC to Kochi via Coimbatore
- Delhi-Nagpur Industrial Corridor (DNIC)



और पढ़ें... [पीएम गति शक्ति](#)

युवा संगम पोर्टल

हाल ही में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), नई दिल्ली में "युवा संगम" पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया गया। युवा संगम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत पूरवोत्तर क्षेत्र और शेष भारत के युवाओं के मध्य घनषि्ट संबंध स्थापति करने की एक पहल है। इस पहल के तहत 20000 से अधिक युवा पूरे भारत की यात्रा करेंगे तथा एक-दूसरे की संस्कृतियों को समझने का अनूठा अवसर प्राप्त करेंगे। इस कार्यक्रम से पूरवोत्तर क्षेत्र के युवाओं को भारत की वविधिता को समझने का अवसर मल्लिगा।

और पढ़ें... [पूरवोत्तर भारत](#)